शब्दार्थ

करूणाः— दया

अनुरागः— प्रेम

पखारः— धोना

विषादः— दुःख

विरागः— रागहीन, विरक्ति उदासीन

परागः— पुष्प रज, फूलों के बीच का वह केसर जो पुलिंग अर्थ माना जाता है।

उन्मादः— पागलपन, सनक

आर्द्रः— भीगे हुए

चिर संचितः— लम्बे समय से एकत्रित

वारः— न्योछावर